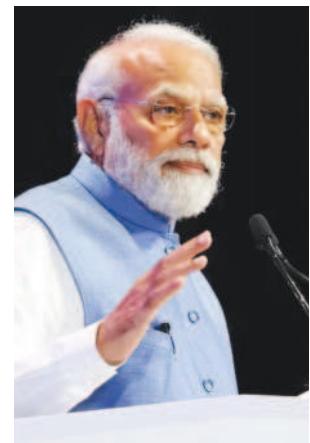




पीएम मोदी का वाराणसी दौरा आज 12 हजार करोड़ की योजनाओं का करेंगे लोकार्पण और शिलान्यास

वाराणसी, 6 जुलाई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सात जुलाई को दो दिवसीय दौरे पर अपने संसदीय निवाचन क्षेत्र वाराणसी आ रहे हैं। पीएम मोदी यहां वाचिदगुरु में जनसभा को संबोधित करने के साथ ही लगभग 12 हजार करोड़ रुपए की योजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करेंगे। प्रधानमंत्री वरेको भवति विश्राम करेंगे। पीएम पार्टी पट्टाधिकारियों के साथ टिफिन बैठक में शामिल होंगे और काशी के प्रबुद्धजन से संवाद भी करेंगे। वाराणसी के मंडलायुक्त कौशल राज शर्मा ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी वाराणसी के अपने दौरे के दौरान कुल 12,148 करोड़ की लगत वाली 29 परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करेंगे।



प्रधानमंत्री वरेको अतिथि गुह में रात्रि विश्राम करेंगे। यहां पर प्रधानमंत्री वीजेपी कार्यकर्ताओं के साथ टिफिन बैठक में भाग लेंगे। इसके अलावा वह काशी के प्रबुद्धजन के साथ बैठक भी करेंगे। जिता प्रशासन के एक अधिकारी ने बताया कि प्रधानमंत्री के जनसभा स्थल से बरेका तक कड़ी सुरक्षा करेंगे। इनमें लगभग 1800 करोड़ की लगत वाली

योजनाओं का शिलान्यास और लगत वाली योजनाओं का लोकार्पण होगा।

करेंगे। इनमें लगभग 10,000 करोड़ की लगत वाली

बाके बिहारी की शरण में पहुंचा गजब का भक्त पहनाया 85 लाख का सोने का हार

मथुरा, 6 जुलाई (एजेंसियां)। रुधिर की कीमत का हार देख वरदान के बाके बिहारी मंदिर में बर्खे तो लाखों भक्त आते हैं, लेकिन बुधवार को ऐसा भक्त आया, जिसके हाथों में डेढ़ किलो वज्र का शर्तनाक भक्त करने की चाहत है कि सेवायत हार बिहारी जी को धरण करा दे। पर उसकी एक शर्त ये थी कि उसका नाम किसी को भी बताया न जाए।

एक माह में बनकर तैयार हुआ ये हार

बुधवार शाम शयनभोग सेवा के दौरान मंदिर में रायगढ़ निवासी श्रद्धालु पर्यावर दर्शन के लिए पहुंच था। उसने सेवायत से ठाकुर जी को सोने का हार धारण कराने की विनती की। इस दौरान मंदिर में उपरित सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भौजूद थे। 85 लाख

शिक्षा विभाग में बवाल के बीच बड़ी खबर



सुबह-सुबह लालू से मिले चंद्रशेखर, क्या हुई बात?

पटना, 6 जुलाई (एजेंसियां)। विहार के शिक्षा विभाग में पीत पत्र के बाद बवाल मच गया है। वीजेपी इस मामले में शिक्षा मंत्री चंद्रशेखर के अनुसार मंदिर सेवा के नियम के अनुसार मंदिर कोरोना के जानकारी मिली है। मंदिर कोरोना के अनुसार बवाल पर भी हमलावर है। इस दौरान जी चद्वाला ठाकुरजी पर अर्थित होता है, वह सेवायत के खाते में ही जाता है।

पटना, 6 जुलाई (एजेंसियां)। विहार के शिक्षा विभाग में पीत पत्र के बाद बवाल मच गया है। वीजेपी इस मामले में शिक्षा मंत्री चंद्रशेखर के साथ-साथ सीएम नीतीश कुमार पर भी हमलावर है। इस दौरान जी चद्वाला ठाकुरजी पर अर्थित होता है, वह सेवायत के खाते में ही जाता है।

चंद्रशेखर बोले- वीजेपी का काम है आरोप लगाना

वीजेपी पत्रकारों ने जब चंद्रशेखर से पूछा कि क्या उसके विभाग में आपकी नहीं चल रही है कि कई मामलों में सरकार के कार्य संहिता को देख रहा हूं उसी से वाकिफ हुआ हूं। मैं उन्हीं चीजों को देख रहा हूं। पीत पत्र को लेकर जारी बवाल के बीच एक सवाल पर कि मंत्री बड़ा किए अपने मुख्य सचिव के उत्तर में उठाए जा रहे हैं। साथ ही और बातें लिखी गई थीं। इस पत्र के जवाब में शिक्षा मंत्री ने कहा कि उनका तो काम ही है आरोप लगाना। सब लोग अपने काम में लगे हैं। केके पाठक से उठाए एक सवाल पर उन्होंने कहा कि क्यों बड़ा किए एक पाठक से पूछा जाए। हालांकि लालू से क्या बात हुई है इस पर कुछ नहीं कहा।

क्या है मामला?

बता दें कि शिक्षा मंत्री डॉ।

चंद्रशेखर के सरकारी आप

समाज

में

संघर्ष

में

उठाए

गया

है।

सचिव ने विभाग के अपर मुख्य सचिव को लेकर एक पीत पत्र लिखा था। पत्र में लिखा गया था कि ऐसा देखा जा रहा है कि कई मामलों में सरकार के कार्य संहिता को देखा रहा हूं उसी से वाकिफ हुआ हूं। मैं उन्हीं चीजों को देख रहा हूं।

सचिव ने विभाग के अपर मुख्य सचिव को लेकर एक पीत पत्र लिखा था। पत्र में लिखा गया था कि ऐसा देखा जा रहा है कि कई मामलों में सरकार के कार्य संहिता को देखा रहा हूं उसी से वाकिफ हुआ हूं। मैं उन्हीं चीजों को देख रहा हूं।

प्रधानमंत्री वीजेपी की बोली की जिक्र किए गए थे।

प्रधानमंत्री वीजेपी की बोली की जिक्र किए गए थे।

प्रधानमंत्री वीजेपी की बोली की जिक्र किए गए थे।

प्रधानमंत्री वीजेपी की बोली की जिक्र किए गए थे।

प्रधानमंत्री वीजेपी की बोली की जिक्र किए गए थे।

प्रधानमंत्री वीजेपी की बोली की जिक्र किए गए थे।

प्रधानमंत्री वीजेपी की बोली की जिक्र किए गए थे।

प्रधानमंत्री वीजेपी की बोली की जिक्र किए गए थे।

प्रधानमंत्री वीजेपी की बोली की जिक्र किए गए थे।

प्रधानमंत्री वीजेपी की बोली की जिक्र किए गए थे।

प्रधानमंत्री वीजेपी की बोली की जिक्र किए गए थे।

प्रधानमंत्री वीजेपी की बोली की जिक्र किए गए थे।

प्रधानमंत्री वीजेपी की बोली की जिक्र किए गए थे।

प्रधानमंत्री वीजेपी की बोली की जिक्र किए गए थे।

प्रधानमंत्री वीजेपी की बोली की जिक्र किए गए थे।

प्रधानमंत्री वीजेपी की बोली की जिक्र किए गए थे।

प्रधानमंत्री वीजेपी की बोली की जिक्र किए गए थे।

प्रधानमंत्री वीजेपी की बोली की जिक्र किए गए थे।

प्रधानमंत्री वीजेपी की बोली की जिक्र किए गए थे।

प्रधानमंत्री वीजेपी की बोली की जिक्र किए गए थे।

प्रधानमंत्री वीजेपी की बोली की जिक्र किए गए थे।

प्रधानमंत्री वीजेपी की बोली की जिक्र किए गए थे।

प्रधानमंत्री वीजेपी की बोली की जिक्र किए गए थे।

प्रधानमंत्री वीजेपी की बोली की जिक्र किए गए थे।

प्रधानमंत्री वीजेपी की बोली की जिक्र किए गए थे।

प्रधानमंत्री वीजेपी की बोली की जिक्र किए गए थे।

प्रधानमंत्री वीजेपी की बोली की जिक्र किए गए थे।

प्रधानमंत्री वीजेपी की बोली की जिक्र किए गए थे।

प्रधानमंत्री वीजेपी की बोली की जिक्र किए गए थे।

प्रधानमंत्री वीजेपी की बोली की जिक्र किए गए थे।

प्रधानमंत्री वीजेपी की बोली की जिक्र किए गए थे।

प्रधानमंत्री वीजेपी की बोली की जिक्र किए गए थे।

प्रधानमंत्री वीजेपी की बोली की जिक्र किए गए थे।

प्रधानमंत्री वीजेपी की बोली की जिक्र किए गए थे।

प्रधानमंत्री वीजेपी की बोली की जिक्र किए गए थे।

प्रधानमंत्री वीजेपी की बोली की जिक्र किए गए थे।

प्रधानमंत्री वीजेपी की बोली की जिक्र किए गए थे।

प्रधानमंत्री वीजेपी की बोली की जिक्र किए गए थे।

प्रधानमंत्री वीजेपी की बोली की जिक्र किए गए थे।

प्रधानमंत्री वीजेपी की बोली की जिक्र किए गए थे।

प्रधानमंत्री वीजेपी की बोली की जिक्र किए गए थे।

प्रधानमंत्री वीजेपी की बोली की जिक्र किए गए थे।

प्रधानमंत्री वीजेपी की बोली की जिक्र किए गए थे।

प्रधानमंत्री वीजेपी की बोली की जिक्र किए गए थे।

चीन की कथनी करनी में अंतर

चान और पाकिस्तान दाना हा दामह साप जस ह। य जा कहत है उस पर अमल नहीं करते और जो नहीं कहते उस पर जरूर छल-कपट के साथ आगे बढ़ेंगे। दोनों देश अगर ईमानदारी से आतंकवाद के मुद्रे पर अपना रुख स्पष्ट करते हुए आगे बढ़ें तो कोई कारण नहीं बनता कि भारत उन्हें सहयोग करने से पीछे हटेगा। मंगलवार को शंघाई सहयोग संगठन यानी एससीओ के शासनाध्यक्षों के परिषद की तेईसरी बैठक में चीन के राष्ट्रपति और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री ने जिन सकारात्मक बातों की वकालत की, अगर उस पर अमल करना शुरू कर दे तो काफी हद तक भारत की समस्या कम हो सकती है। लेकिन अफसोस यह है कि चीन और पाकिस्तान अपनी कथनी से अलग हट कर आए दिन जिस तरह की हरकतें करते हैं, उससे ऐसा लगता नहीं है कि वे अंतरराष्ट्रीय मंचों पर जाहिर अपनी राय को लेकर उतने ही वचनबद्ध हैं। इन दोनों ही देशों का भारत को लेकर कूटनीतिक मोर्चे से लेकर सीमावर्ती इलाकों पर जो रवैया है वह किसी से छिपा नहीं है। सीमा पर वे अपनी अनैतिक गतिविधियों को अंजाम देने का कोइं अवसर चुकना नहीं चाहते। इसी से उनकी सदिच्छाएं कैसी हैं, जाहिर हो जाता है। बता दें कि एससीओ की बैठक को डिजिटल माध्यम से संबोधित करते हुए चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने इसके सदस्य देशों से क्षेत्रीय शांति और सुरक्षा सुनिश्चित किए जाने का आह्वान किया और आर्थिक सुधार को गति देने के लिए व्यावहारिक सहयोग की वकालत की। वहीं पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने भी कहा कि आतंकवाद के कई सिर वाले राक्षस से पूरी तकत और दृढ़ता के साथ लड़ा जाना चाहिए। जाहिर है, अंतरराष्ट्रीय मंच पर दोनों देशों के शीर्ष नेताओं के इन बयानों के संदर्भ में देखा जाए और उसे वे हकीकत में अमल करने को लेकर सचमुच ईमानदार हैं तो फिर दक्षिण एशिया के इस हिस्से में सभी जटिल समस्याओं का समाधान संभव है। लेकिन जगजाहिर है कि चीन और पाकिस्तान के भीतर भारत को लेकर उसकी कथनी और करनी के कैसे दुराग्रह हैं। उसकी शय पर ही सीमावर्ती इलाकों में अवांछित गतिविधियां चालू रहती हैं। एक ओर चीन लद्दाख व अरुणाचल प्रदेश में अनधिकृत घस्पैठ करने से नहीं चक्रता तो

दूसरी ओर अपनी सीमा में स्थित ठिकानों से अनैतिक गतिविधियां संचालित करने वाले संगठनों को आतंकी प्रशिक्षण देकर भारत के प्रति उन्हें उकसाता रहता है। भारतीय सीमा के भीतर पाकिस्तान घुसपैठ कराने तक की हरकतें आए दिन करता रहता है। ऐसे में सबाल लाजिम है कि भारत के सामने अमूमन हर समय ऐसी मुश्किल पेश करने का उसका मकसद क्या होता है! अगर चीनी सेना भारतीय भूभाग में अवांछित गतिविधियां करती हैं या फिर जम्मू-कश्मीर में आतंकवादी घटनाओं को अंजाम देने के पीछे पाकिस्तान का हाथ पाया जाता है तो इसका क्या मतलब निकाला जाए। सबाल है कि भारत के प्रति एक खास दुराग्रहपूर्ण रुख रखते हुए भी चीन की इस सदिच्छा का क्या अर्थ रह जाता है कि एससीओ के देशों के बीच क्षेत्रीय शांति और सुरक्षा सुनिश्चित हो और वे आर्थिक सुधार को आगे बढ़ाने में व्यावहारिक सहयोग दें। फिर पाकिस्तान को अगर लगता है कि आतंकवाद के कई सिर वाले राक्षस से पूरी ताकत और दृढ़ता से लड़ा जाना चाहिए तो क्या उसे सबसे पहले इस मसले पर भारत की नीतियों और जरूरत को स्वीकार नहीं करना चाहिए? यह छिपी बात नहीं है कि भारतीय सीमा में आतंकी दखलांदाजी को परोक्ष सहयोग देने वाला पाकिस्तान खुद भी आतंकवाद का शिकार है। वहां भी आए दिन आतंकी हमलों में लोग मारे जाते हैं। लेकिन मौकापरस्त पाकिस्तान इस मसले का कूटनीतिक इस्तेमाल करते हुए भूल जाता है कि आतंकवाद का सामना करने के लिए भारत को अपना हर वाजिब विकल्प अपनाने का अधिकार है। अगर चीन क्षेत्रीय शांति और सुरक्षा या फिर पाकिस्तान आतंकवाद से निपटने को लेकर सचमुच गंभीर हैं तो इस मसले पर एससीओ में कही अपनी बातें पर शत-प्रतिशत अमल को लेकर ईमानदार इच्छाशक्ति के साथ काम करे तो बात बने।

अंग्रेजी, हिंदी में प्रतिस्पर्धा से बढ़ा असंतोष



संजीव ठाकुर



नरेंद्र तिवारी

दला इन दलों के नेताओं और संगठनों की विचारधारा देश के आमजन की विचारधारा का निर्माण करती है। इन्हीं राजनीतिक दलों के नेताओं के राजनीतिक मंचों से दिए भाषणों से आमआदमी अपनी धारणा का निर्माण करता है। अपनी राय कायम करती है। यही आमआदमी अपने कार्यों और राजनीतिक विचारों से संचालित होकर राष्ट्रनिर्माण में अपना योगदान देता है। किंतु बड़े दुख का विषय है की राजनीतिक दलों में मूल्यहीनता बढ़ गयी है। आदर्श और विचारधारा मंच से दिए जाने वाले आकर्षक जुमलों के सिवा कुछ नहीं रह गए हैं। राजनीतिक सिद्धान्त शोकेस में सजी प्रदर्शन की वस्तु बन गए हैं। राजनीति में सिद्धान्तों के क्षरण विचारधारा की गिरावट का एक नमूना देश के महाराष्ट्र प्रदेश में देखने को मिल रहा है। इस प्रदेश में सत्ता ही सिद्धान्त है, सरकार ही विचारधारा है। यहां की राजनीतिक परिस्थितियां देखकर सियासत और नेताओं के बारे में कही गयी पूर्व प्रचलित कहावत जैसे बदल सी गयी है। 'हमाम में सब नंगे' अब 'सियासत में सब नंगे' हो गयी

गती है। सेफेद वस्त्रों में लिपटे ये अमी नेता विचारधारा का ढिंडोरा पीटे सिंद्धान्तों की दुहाई देते, राष्ट्र निर्माण की बात करते हैं। किन्तु सच तो यह है विचारधारा और सिंद्धान्तों से विहीन है नेता वस्त्रों में भी नंगे नजर आने लगे हैं। अचंभा तब होता है तब देश के धान मध्यप्रदेश के शहडोल में बकलसेल एनीमिया नामक बीमारी को डड से खत्म करने का संकल्प दोहरा लिया थै। इसी मंच से विपक्ष पर आरोप गया रहे थै की भष्टाचार के दलदल में बा विपक्ष एकजुटता की कोशिश कर हा है। जो खुद को एक नहीं रख कता देश को एक कैसे रखेगा। धानमंत्री ने विपक्षी नेताओं और भयासी दलों को भष्ट आचरण में लिप्त बताया। प्रधानमंत्री के इन दबोधन के बाद लगा जैसे भष्टाचार डुबे दलों उनके नेताओं पर सख्त गयावाही होगी। किन्तु यह क्या...? श के प्रधानमंत्री का देश की सेहत धारने के उद्देश्य से दिया गया भाषण श की जनता सुन ही रही थी। तभी हाराष्ट्र राज्य की सरकार में अचानक टिट घटनाक्रम में अजित पंवार, छगन जबल, दिलीप वालसे पाटिल, हसन शरिफ, अनिल पाटिल, अदिति टकरे, धनंजय मुंडे, धर्मराव आत्राम, राज्य बनसपोडे ने महाराष्ट्र राज्य की रकार में जहां शिवसेना शिंदे गुट और राजपा की सरकार है, मंत्री पद की पथ ग्रहण की, एनसीपी का महाराष्ट्री सरकार में शामिल होना देश के गपनागरिकों को मध्यप्रदेश के हड्डोल में देश के प्रधान द्वारा दिये गए

पण से बिल्कुल उलट लगा। ऐसा केंद्रीय नैतृत्व का देवेंद्र फडणवीस र भाजपा के समर्थन से चल रहीं थीं। महाराष्ट्र सरकार पर नियंत्रण नहीं है ? क्या एनसीपी के जिन नेताओं को भी बता रहे थे ? जो भष्ट्र आचरण ने नेता माने जा रहे थे। महाराष्ट्र कार में मंत्री पद की शपथ लेने वाले धकांश एनसीपी नेताओं के खिलाफ व एजेसियां जांच कर रही है। तो भाजपा की वाशिंग मशीन में नकर यह ईमानदार हो गए है। अगर हुए तो भाजपानीत महाराष्ट्र कार में मंत्री कैसे बन गए ? यह हो देश की सत्ता पर भाजपा का सन है। काँग्रेस की कमज़ोर होती विचारधारा से ऊबकर जनता ने जनपा की राष्ट्रीय हित और जनहित विचारधारा को शिरोधार्य किया, न्तु विपक्ष के भष्ट्र नेताओं पर इत्याचार का आरोप लगाने वाली जनपा अपने सहयोग से चलने वाली कार में इन नेताओं को कैसे स्थान नकरती है ? वर्तमान दौर की राजनीति धनबल, बाहुबल और सत्ता नुपता साफ दिखाई देती है। ऐसा ही है की विचारहीनता किसी एक दल ही दिखाई दे रही है। इसका प्रदर्शन दलों को तोड़ना, कारों को गिराना, निर्वाचित निन्धियों की खरीद-फरोख्त करना देश में सभी दलों ने किया है। देश भी जानता है कि अब कौन इस त का माहिर खिलाड़ी है। इस दौर सारे राजनीतिक दल विचारहीनता से दिछान्तविहीनता की बीमारी से

दित नजर आ रहे है। प्रधानमंत्री द्वारा अध्यप्रदेश के शहडोल से विपक्ष पर की ईटिप्पणी को सही माना जा सकता है। यह तब सम्भव दिखाई देगा तब नसीपी के भष्ट आचरण वाले नेताओं और प्रचलित कार्यवाहियां महाराष्ट्र सरकार में रहते हुए की जाए। महाराष्ट्र विचार हीनता की बीमारी लगभग भी दलों में व्याप्त है। वर्ष 2019 के नाव में भाजपा-शिवसेना को महाराष्ट्र ने सरकार का जनादेश मिला था। अपने सिंद्धान्तों से अलग जाकर भाजपा ना साथ शिवसेना ने छोड़ा। एनसीपी, कांग्रेस के साथ सरकार बनाने का प्रयास किया तभी सारे देश को यह याद कि सुबह 4 बजे महाराष्ट्र के जिभवन में देवेंद्र फडणवीस सरकार अजित पंवार एनसीपी को प्रमुखमंत्री बनाकर रातों-रात बेमेल सरकार बनाए जाने का खेल खेला गया था, एनसीपी के साथ सरकार बनाने का ही भाजपा का प्रयास था। इसे तब नसीपी के वरिष्ठ नेता शरद पंवार ने काम कर दिया था। परिणाम स्वरूप जित पंवार के इस्तीफे के बाद अध्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को भी अपना इस्तीफा सौंपना पड़ा। इसके बाद शिवसेना जिसकी विचारधारा ही कटूर दूदावाद की रही है। अपने पुराने हाथोंगी दल भाजपा को छोड़कर मर्मिनरपेश कहे जाने वाले दल नसीपी, कांग्रेस के साथ मिलकर विचारिकास अधाड़ी नामक गठबंधन नाया। शिवसेना के उद्घव ठाकरे इस उठबंधन के नेता चुने गए। नवम्बर 2019 को शिवसेना के उद्घव ठाकरे

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री बने। याने महाराष्ट्र में बेमेल और विरोधी विचारधारा की सरकारों का दौर चलता रहा। यह दौर आगे बढ़ा। महज 943 दिवस उद्घव की सरकार महाराष्ट्र राज्य पर अपनी सत्ता काविज रख पाई। फिर एक दिन अचानक महाराष्ट्र की महाविकास अधाड़ी सरकार में शाही विकास और लोकनिर्माण विभाग के कैविनेट मंत्री एकनाथ शिंदे को महाविकास अधाड़ी सरकार के साथ विचारधारा का संकट नजर आया वह अपने विधायकों के साथ पहले सूरत फिर गोवा की ओर प्रस्थान कर गए। 30 जून 2022 को एकनाथ संभाजी शिंदे महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री बने और बेहद आश्चर्यजनक घटनाक्रम में देवेंद्र फडणवीस ने राज्य के उपमुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। अब जबकि अजित पंवार सहित एनसीपी के 9 विधायक मंत्री बनाए गए हैं। एकनाथ शिंदे का विरोधी विचारधारा के साथ दम घुटने का जुमला किधर है। यानी नैतिकता, सिद्धान्त, विचारधारा जनता को भ्रमित करने के आर्कषक जुमले हैं। इसका प्रयोग समय-समय पर सभी करते हैं। सवाल यह उठता है कि क्या जनता द्वारा चुने हुए प्रतिनिधि को अपनी विचारधारा के विपरीत किसी अन्य विचारधारा की सरकार में शामिल होना चाहिए। इस हेतु दलबदल निरोधक अधिनियम है। किंतु क्या कानून की आड़ लेकर सामूहिक रूप से भी दलबदल करना उचित माना जा सकता है। कतई नहीं दलबदल किसी भी परिस्थिति में उचित नहीं है।

आदिवासी के साथ शर्मनाक घटना , भाजपा जुटी डेमेज कंट्रोल में



अशोक भाटिया

यूवा सपनों की उड़ान 'ग्राम ज्ञानालय'

जिला कलैक्टर गौरांग राठी की एक अनूठी पहल पूरे उत्तर प्रदेश और देश की सोच बदल सकती है। भदोही को शहर -ए- कालीन भी कहा जाता है।

दुनिया भर से यहां कालीन निर्यात होता है हालांकि शैक्षिक विकास को लेकर यहां बहुत कुछ नहीं हुआ है लेकिन गावों में नवाचार के तहत 'ग्राम ज्ञानालय' की स्थापना कर युवाओं को नई दिशा देने की पहल शुरू की गयी है। इस तरह ग्रामीण अंचलों में स्थापित किए जा रहे ग्राम ज्ञानालय में युवाओं के लिए एकेडमिक स्तर की सारी सुविधाएं उपलब्ध है। जनपद के 546 ग्राम पंचायतों में आधुनिक 'ग्राम ज्ञानालय' की स्थापना की तरफ बड़ी तेजी से कदम बढ़ रहे हैं। भदोही जनपद में तकरीबन 150 गांव में इसकी शुरूवात हो गयी है। शुरूआती दौर में ही जॉब की तैयारी करने और पढ़ने वाले करीबन 4000 युवा और छात्र-छात्राएं इससे जुड़कर



रजनीश कपूर

पर्यावरण संरक्षण में सुप्रीम कोर्ट की पहल

नहीं ले जानी होंगी। लैपटॉप और टेबलेट के जरिए कागजात जॉर्डों को दिखाए जा सकेंगे, जिन्हें पढ़ने में भी आसानी होगी। केस से संबंधित क्रानूनी दस्तावेजों तक आसानी से पहुंचने के लिए न्यायाधीशों के पास दस्तावेज आलोकन तकनीक भी होगी। जिसके उपयोग से दस्तावेज को मशीन पर रखा जा सकता है, जिसे वकील अपनी स्क्रीन और कोर्ट में लगी बड़ी स्क्रीन पर भी देख सकेंगे। वकीलों के पास फ़ाइलें और दस्तावेज पढ़ने के लिए स्मार्ट स्क्रीन भी होंगी। कोर्ट में मौजूद न्यायाधीश महोदय भी अब कानून की मोटी-मोटी किताबों की जगह डिजिटल ढंग से विभिन्न पुराने फैसले व कानून की धाराओं को देख सकेंगे। सुप्रीम कोर्ट में कोर्ट 1 से 5 के कॉरिडोर के अलावा, मीडिया रूम, वेटिंग रूम आदि में वादियों, वकीलों और मीडियाकर्मियों के लिए मुफ्त वाई-फाई की शुरुआत भी कोर्ट में ही गई है। इस तरह का बदलाव अभी कुछ कोर्ट में ही किया गया है, जो आने वाले समय में अन्य अदालतों में भी दिखाई देगा। गैरतलब है कि अदालत कक्षों में बदलाव का सुझाव भारत के मुख्य न्यायाधीश डॉ वाई चंद्रचूड़ू ने ही दिया था, जो चाहते हैं कि अदालतें अधिक तकनीक-अनुकूल बनें। वह यह भी चाहते थे कि अदालती कार्यवाही कागज रहित हो। सुप्रीम कोर्ट ने कागज बचाने के लिए कई योजनाएँ भी बनाई हैं, जैसे याचिकाओं को 'बैक-टू-बैक' प्रिंट करना (कागज के दोनों तरफ छापना), ई-फाइलिंग करना आदि। इसके साथ ही, सुप्रीम कोर्ट की अधिकतर अदालतों की कार्यवाही का सीधा प्रसारण करना। कोर्ट की कार्यवाही का

सीधा प्रसारण देखने से सबसे अधिक लाभ यह हुआ है कि हमें ये पता चल जाता है कि कोर्ट में किस वकील ने क्या दलील पेश की और इस पर न्यायाधीश महोदय ने क्या प्रतिक्रिया दी। यह जानकारी पहले आसानी से नहीं मिल पाती थी। परंतु अब जो भी इस सीधे प्रसारण को देखने के लिए अधिकृत होता है वो बिना किसी काट-छाँट के पूरी कार्यवाही को आराम से देख सकता है। कोर्ट की कार्यवाही देखने के लिए यह एक सराहनीय कदम है। इसी तरह कोर्ट के 'डिस्प्ले बोर्ड' को भी आप अपने मोबाइल फ़ोन या कंप्यूटर पर बड़ी आसानी से देख सकते हैं। इससे बोर्ड पर यह पता चल जाता है कि किस कोर्ट में कौनसा केस चल रहा है।

यदि किसी वकील को एक से अधिक कोर्ट में पेश होना होता है तो इस तकनीक की मदद से उसे पूरी जानकारी अपने फ़ोन पर ही मिल जाती है।



चौधड़िया का अर्थ क्या है? हर चौधड़िया के शुभ-अशुभ फल

क्यों
कोई भी काम
चौधड़िया देखकर
किए जाते हैं, हर
चौधड़िया का क्या
है फल? आइए
जानते हैं



मंगल ग्रह द्वारा शासित है। इस अशुभ मुहूर्त में व्यक्ति को कोई भी शुभ काम शुरू नहीं करना चाहिए और न ही चिकित्सकीय परामर्श लेना चाहिए। इस अवधि में युद्ध और शत्रु से संघर्ष होता है।

शुभ चौधडिया - शुभ चौधडिया वृहस्पति ग्रह द्वारा शासित है और किसी भी कार्य को करने के लिए बहुत ही शुभ माना जाता है। इस दौरान विवाह, पूजा, यज्ञ और अन्य धार्मिक गतिविधियां की जानी चाहिए। धन संचय के लिए, इस अवधि को शुभ मुहूर्त या फलदायी समय माना जाता है।

काल चौधडिया - काल एक अशुभ चौधडिया है जो शनि ग्रह द्वारा शासित है। इस अवधि में कार्य स्थगित रखें।

अमृत चौधडिया - चौधडिया के इस अंतिम मुहूर्त पर चंद्रमा ग्रह का शासन होता है। यह दिन का सबसे शुभ समय है। इस अवधि में किया गया कोई भी काम सकारात्मक परिणाम देता है।

वर्ष 2023 में मौना पंचमी पर्व शुक्रवार, 7 जुलाई 2023 को मनाया जाएगा। मान्यतानुसार यह ब्रत खासकर बिहार में नागपंचमी के रूप में मनाया जाता है। यह त्योहार सावन मास के कृष्ण पक्ष की पंचमी तिथि पर पड़ता है। इस दिन मौन रहकर शिव जी की पूजा की जाती है। कई क्षेत्रों में इसे सर्प से जुड़ा पर्व भी मानते हैं। इस तिथि के देवता शष्ठनाग हैं इसलिए इस दिन भोलेनाथ के साथ-साथ शेषनाग की पूजा भी की जाती है। हिन्दू धर्म के अनुसार श्रावण मास बहुत ही पवित्र माना गया है। और इस माह में भगवान शिव जी तथा नाग पूजन का विशेष महत्व है। इस दिन नाग देवता को सूखे फल, खीर आदि चढ़ा उनकी पूजा की जाती है। आइए जानते हैं इस के बारे में-



इस वर्ष सावन माह का शुभारंभ 4 जुलाई से हो चुका है और सावन कृष्ण पंचमी पर मौना पंचमी का त्योहार 7 जुलाई 2023 को पड़ सकता है।

इस बार सावन कृष्ण पंचमी तिथि का
प्रारंभ- 07 जुलाई 2023, शुक्रवार को
प्रातः 03.12 मिनट से शुरू होकर
पंचमी तिथि का समापन- शनिवार 08
जुलाई 2023 को प्रातः 12.17 मिनट
पर होगा।

पर होगा।
 मौना पंचमी 2023 के शुभ मुहूर्त :
 मौना पंचमी के दिन प्रातःकाल का
 मुहूर्त- सुबह 05.29 से 08.58 तक।
 दोपहर का मुहूर्त- दोपहर 12.26 से
 02.10 तक।
 शाम का मुहूर्त- शाम 06.39 से 07.23

रात तक। - मकेश ऋषि

उज्जैन के मंगलनाथ और अमलनेद के मंगल ग्रह मंदिर में क्या है अंतर

धरती माता के पुत्र
मंगल देव का जन्म
कहाँ हुआ था?

मध्यप्रदेश के उज्जैन में
मंगलनाथ नामक स्थान
पर या कि महाराष्ट्र के
जलगांव के पास स्थित
अमलनेर में, जहां श्री
मंगल देव का प्राचीन
और पवित्र स्थान है।
इस संबंध में किसी भी
प्रकार का कोई विवाद
नहीं है परंतु दोनों
स्थान में क्या अंतर है
यह ज़रूर जानना

चाहिए।
अमलनेर के मंगल
ग्रह के मंदिर में स्थित
मंगल देव की मूर्ति उन्हीं
विद्यमान हैं। यह देश दु
एसी मूर्ति है जो मंगलदेव
यहां पर 'भूमाता' और '



मंदिर भी है। विश्व का पहला भूमाता मंदिर
यहीं पर स्थित होना माना जाता है, जबकि
उज्जैन स्थित मंगलनाथ नामक स्थान पर
मंगल देव की पूजा पूजा शिवलिंग और
महादेव के रूप में की जाती है।

प्रह नादर जनरार न झूगा
के साथ ही विशेष अभियंके
और भोमयाज पूजा का खास महत्व माना
गया है। अमलनर में प्रति मंगलवार को
इजारों की संख्या में लोग दूर-दूर से आकर
मंगल दोष की शांति का उपाय करते हैं।

सावन में कर लें धतुरे का महाउपाय

माता सीता का धर्म पद जन्म कैसे हुआ था

A close-up photograph of a Datura plant, showing its characteristic spiky seed pods (capsules) and large green leaves. The plant is growing in a garden setting.

शंकर को खुश करने के लिए पूजा पाठ और व्रत आदि करता है कहा गया है कि इस महीने में शिव आराधना करने से साधक को शीघ्र फलों की प्राप्ति होती है। लेकिन इसी के साथ ही सावन में अगर कुछ उपायों को भी किया जाए तो जीवन की हर समस्या दूर हो जाती है। साथ ही धन लाभ के योग बनने लगते हैं तो आज हम आपको अपने इस लेख दवारा सावन में किया जाने वाल धर्तूरे से जुड़ा अचूक उपाय बता रहे हैं जो आपकी आर्थिक स्थिति में भी सुधार लेकर आएगा, तो आइए जानते हैं।

धर्तूरे का महाउपाय- अगर आप धन संबंधी समस्याओं से छुटकारा पाना चाहते हैं तो ऐसे में सावन माह में पड़ने वाले सोमवार के दिन धर्तूरे की जड़ को घर में स्थापित करें इसके बाद मां काली की पूजा करके उनके बीच मंत्र का 108 बार जाप करें माना जाता है कि इस उपाय से लाभ जरूर मिलता है। वही संतान सुख की इच्छा रखने वाले लोग सावन में धर्तूरे का फल शिवलिंग पर अर्पित करें साथ ही अपनी प्रार्थना प्रभु से कहें। ऐसा करने से संतान सुख की इच्छा पूरी होती है इसके अलावा सावन में रोजाना शिव को धूतरा अर्पित किया जाए तो तरकी के योग बनने लगते हैं।



इस पौराणिक कथा के अनुसार कहा जाता है की पूर्व जन्म में माता सीता ने लंकापति रावण और मंदोदरी की बेटी के रूप में जन्म लिया था। यह माना जाता है की माता सीता वेदवती नाम की एक महिला का अवतार थीं, जो भगवान् विष्णु की प्रबल भक्त थीं और उनसे शादी करने के लिए उत्सुक थीं। परिणामस्वरूप वेदवती ने भगवान् विष्णु को प्रसन्न करने के लिए घोर तपस्या की।

लगा। हालांकि जैसे ही रावण ने उस पर हाथ रखा वेदवती ने खुद को भस्म करने का फैसला किया किससे वह भस्म हो गई। मरने से पहले उसने रावण को श्राप दिया और भविष्यवाणी की कि वह उसकी बेटी के रूप में पुनर्जन्म लेगी और अंततः उसका अंत करेगी।
कुछ समय बाद मंदोदरी ने एक कन्या को जन्म दिया। हालांकि, वेदवती के श्राप से भयभीत रावण ने नवजात कन्या को समुद्र में फेंकने में कोई समय बराबंद नहीं किया। तब समुद्र की देवी वरुणी, ने लड़की को ले लिया और उसे पृथ्वी की देवी को सौंप दिया। बदले में पृथ्वी ने लड़की को राजा जनक और उनकी पत्नी सुनैना को सौंप दिया। उनकी देखरेख में सीता बड़ी हुईं और अंततः श्रीराम से विवाह किया। हालांकि उनके निर्वासन के दौरान रावण ने सीता का अपहरण कर लिया, जिसके कारण श्रीराम का रावण से टकराव हुआ और अंततः रावण का वध हुआ नतीजतन सीता ही रावण के अंत का प्रमुख कारण बनीं।

बिना देरी किए घर से आज
ही निकाल फेंके ये चीजें

जाने अनजाने में अक्सर हम अपने घर में कई ऐसी चीजें जमा करते चले जाते हैं, जो आगे चलकर भी कोई काम नहीं आएगा। हम इन्हें घर में किसी कोने में रखकर भूल जाते हैं। लेकिन आपकी ये छोटी सी गलती आपके घर-परिवार के लिए मुसीबतें खड़ी कर सकती हैं। तो अगर आप चाहते हैं कि आपके घर में माता लक्ष्मी का वास हो और परिवार में खुशहाली बनी रहे तो आज ही इन चीजों को घर से बाहर निकाल फेंके। आज वास्तु शास्त्र में आचार्य इंदु प्रकाश से जानेंगे उन 10 चीजों के बारें में जो आपके घर में कंगाली और अशांति ला सकती हैं।

घर से बार निकाल दें ये चीजें
वास्तु शास्त्र के अनुसार घर में खाना टूटा हुआ कांच
या दरार वाला शीशा, टूटा हुआ पलंग, बेकार बर्तन,
बद पड़ी घड़ी, भगान की टूषित मर्ति, टूटा हुआ
फर्नीचर, खराब तस्वीरें और इलेक्ट्रोनिक्स के
सामान, टूटा हुआ दरवाजा और आखिरी चीज बंद
पड़ा पेन, ये सारी चीजें आर्थिक नुकसान के साथ-
साथ परिवार के लोगों के मानसिक उलझन का भी
कारण बनते हैं।

साथ ही इन सब चीजों के कारण परिवार के
सदस्यों की उन्नति में बाधा आती है। यहां तक
कि पति-पत्नी के वैवाहिक जीवन पर भी
नकरात्मक असर डालते हैं। इन सब चीजों को
जितना हो सके उतना ही जल्दी पर घर से
बाहर करने से देवी लक्ष्मी आपके घर पथराएंगी
और घर में सुख-शांति बनी रहेगी।



सेंसेक्स-निफ्टी ने फिर रचा इतिहास, एनर्जी स्टॉक्स में खरीदारी के चलते ऐतिहासिक स्तरों पर बंद हुआ भारतीय शेयर बाजार

नई दिल्ली, 6 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय शेयर बाजार के लिए, गुरुवार का कारोबारी सत्र भी ऐतिहासिक साथि हुआ है। बैंकों, एनर्जी और अंटोर्स्टॉक्स में खरीदारी के चलते शेयर बाजार पर नए ऐतिहासिक लेवल पर जा पहुंचा। सेंसेक्स और निफ्टी दोनों ही अपने नए रिकॉर्ड हाई पर जाकर बंद हुआ है। आज के कारोबार खम्भ हाने पर वाईएसेंस 311 अंकों के ऊपर था, साथ 65,754 और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 87 अंकों के ऊपर था। इससे पहले सेंसेक्स 65,832 और निफ्टी 19,512 अंकों के लाइफर्टाई हाई तक गया था। आज के देढ़े में एनर्जी सेक्टर के स्टॉक्स में भारी खरीदारी देखी गई खासीर से रिलायंस इंडस्ट्रीज



सेंसेक्स के लिए एनर्जी सेक्टर के लाइफर्टाई हाई तक गया था। आज के देढ़े में एनर्जी सेक्टर के स्टॉक्स में भारी खरीदारी देखी गई खासीर से रिलायंस इंडस्ट्रीज

है। बाजार को भागने में इस सेक्टर कंपनियों के शेयरों में खरीदारी देखी गया है। इसके चलते निफ्टी एनर्जी इंडेक्स 540 अंकों के ऊपर था। लाख करोड़ रुपये पर बंद हुआ है। बुधवार को फहली बार वाईएसेंस पर लिस्टेड शेयरों का मार्केट कैप 300 लाख करोड़ रुपये के पार जाने में कामयाब हुआ था।

आज के देढ़े में महिंद्रा एंड मिशन्हा 4.97 फीसदी, पावर ग्रिड 3.79 फीसदी, टायो मोटर्स 2.12 फीसदी, रिलायंस 2.07 फीसदी और एनर्जीटीआरी 1.60 फीसदी तेजी के साथ बंद हुआ है। जबकि सुजुकी 1.40 फीसदी, एव्रसोल टेक 1.23 फीसदी, बजाज फाइनेंस 0.50 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ है।

चावल के दाम बढ़ने के खतरे से खाने की धाली होगी महंगी

इस बजह से बढ़ सकते हैं रेट्स

नई दिल्ली, 6 जुलाई (एजेंसियां)। चावल के शैक्षीणों के लिए एक चिंता की खबर है क्योंकि देश में चावल के दाम बढ़ने का खतरा पैदा हो गया है। वैश्विक चावल की कीमतों में पिछले 11 सालों का सावधान ऊचा स्तर देखा जा रहा है और अब भारत में चावल के दाम बढ़ने का दाम बढ़ने के दाम बढ़ने का खतरा पैदा हो गया है। आज के देढ़े में चावल के दाम बढ़ने के दाम बढ़ने का खतरा पैदा हो गया है। अल नीनो इफेक्ट के कारण चावल के प्रभुत्व उत्पादकों के सामने कम पैदावार का खतरा बन गया है और इसके चलते गरीबी परियाई और अंत्रीकी देशों में चावल के दामों में इन्होंने की संभावना नजर आ रही है।

चावल के दाम बढ़ने के खतरे से खाने की धाली होगी महंगी

इस बजह से बढ़ सकते हैं रेट्स

नई दिल्ली, 6 जुलाई (एजेंसियां)। चावल के शैक्षीणों के लिए एक चिंता की खबर है क्योंकि देश में चावल के दाम बढ़ने का खतरा पैदा हो गया है। वैश्विक चावल की कीमतों में पिछले 11 सालों का सावधान ऊचा स्तर देखा जा रहा है और अब अब भारत में चावल के दाम बढ़ने का दाम बढ़ने का खतरा पैदा हो गया है। आज के देढ़े में चावल के दाम बढ़ने का खतरा पैदा हो गया है। अल नीनो इफेक्ट के कारण चावल के प्रभुत्व उत्पादकों के सामने कम पैदावार का खतरा बन गया है और इसके चलते गरीबी परियाई और अंत्रीकी देशों में चावल के दामों में इन्होंने की संभावना नजर आ रही है।

चावल के दाम बढ़ने के खतरे से खाने की धाली होगी महंगी

ध्यान देने वाली बात ये है कि भारत दुनिया के चावल के कुल उत्पादन का 40 फीसदी हिस्सेदार है और साल 2022 में भारत का चावल नियांत 5.6 करोड़ टन रहा था। लाइंक अब देश में चावल का कम प्रोडक्शन पर असर दूसरे चावल सप्लायर्स पर भी आ रहा है और वो कीमतें बढ़ा रहे हैं।

अन नीनो इफेक्ट का भी खतरा

ध्यान देने वाली बात ये है कि भारत दुनिया के चावल के कुल उत्पादन का 40 फीसदी हिस्सेदार है और साल 2022 में भारत का चावल नियांत 5.6 करोड़ टन रहा था। लाइंक अब देश में चावल का कम प्रोडक्शन पर असर दूसरे चावल सप्लायर्स पर भी आ रहा है और वो कीमतें बढ़ा रहे हैं।

पिनिमम स्पोर्ट प्राइम्स के दाम बढ़ने के खतरे से चावल कीमतों पर असर

फाइंसेंशियल एक्सप्रेस की एक रिपोर्ट के मुताबिक राईस एक्सप्रोर्ट एसोसिएशन के प्रेसिडेंट बी वी कृष्ण राव का कहना है कि भारत पिछले साल तक चावल के मार्गदर्शक ये अंकड़ा आया है।

यूएस डिपार्टमेंट ऑफ एप्रिकलचर ने की थी रिकॉर्ड आउटपुट का अनुमान

यूएस डिपार्टमेंट ऑफ एप्रिकलचर ने की थी रिकॉर्ड आउटपुट का अनुमान

यूएस डिपार्टमेंट ऑफ एप्रिकलचर ने की थी रिकॉर्ड आउटपुट का अनुमान

यूएस डिपार्टमेंट ऑफ एप्रिकलचर ने की थी रिकॉर्ड आउटपुट का अनुमान

यूएस डिपार्टमेंट ऑफ एप्रिकलचर ने की थी रिकॉर्ड आउटपुट का अनुमान

यूएस डिपार्टमेंट ऑफ एप्रिकलचर ने की थी रिकॉर्ड आउटपुट का अनुमान

यूएस डिपार्टमेंट ऑफ एप्रिकलचर ने की थी रिकॉर्ड आउटपुट का अनुमान

यूएस डिपार्टमेंट ऑफ एप्रिकलचर ने की थी रिकॉर्ड आउटपुट का अनुमान

यूएस डिपार्टमेंट ऑफ एप्रिकलचर ने की थी रिकॉर्ड आउटपुट का अनुमान

यूएस डिपार्टमेंट ऑफ एप्रिकलचर ने की थी रिकॉर्ड आउटपुट का अनुमान

यूएस डिपार्टमेंट ऑफ एप्रिकलचर ने की थी रिकॉर्ड आउटपुट का अनुमान

यूएस डिपार्टमेंट ऑफ एप्रिकलचर ने की थी रिकॉर्ड आउटपुट का अनुमान

यूएस डिपार्टमेंट ऑफ एप्रिकलचर ने की थी रिकॉर्ड आउटपुट का अनुमान

यूएस डिपार्टमेंट ऑफ एप्रिकलचर ने की थी रिकॉर्ड आउटपुट का अनुमान

यूएस डिपार्टमेंट ऑफ एप्रिकलचर ने की थी रिकॉर्ड आउटपुट का अनुमान

यूएस डिपार्टमेंट ऑफ एप्रिकलचर ने की थी रिकॉर्ड आउटपुट का अनुमान

यूएस डिपार्टमेंट ऑफ एप्रिकलचर ने की थी रिकॉर्ड आउटपुट का अनुमान

यूएस डिपार्टमेंट ऑफ एप्रिकलचर ने की थी रिकॉर्ड आउटपुट का अनुमान

यूएस डिपार्टमेंट ऑफ एप्रिकलचर ने की थी रिकॉर्ड आउटपुट का अनुमान

यूएस डिपार्टमेंट ऑफ एप्रिकलचर ने की थी रिकॉर्ड आउटपुट का अनुमान

यूएस डिपार्टमेंट ऑफ एप्रिकलचर ने की थी रिकॉर्ड आउटपुट का अनुमान

यूएस डिपार्टमेंट ऑफ एप्रिकलचर ने की थी रिकॉर्ड आउटपुट का अनुमान

यूएस डिपार्टमेंट ऑफ एप्रिकलचर ने की थी रिकॉर्ड आउटपुट का अनुमान

यूएस डिपार्टमेंट ऑफ एप्रिकलचर ने की थी रिकॉर्ड आउटपुट का अनुमान

यूएस डिपार्टमेंट ऑफ एप्रिकलचर ने की थी रिकॉर्ड आउटपुट का अनुमान

यूएस डिपार्टमेंट ऑफ एप्रिकलचर ने की थी रिकॉर्ड आउटपुट का अनुमान

यूएस डिपार्टमेंट ऑफ एप्रिकलचर ने की थी रिकॉर्ड आउटपुट का अनुमान

यूएस डिपार्टमेंट ऑफ एप्रिकलचर ने की थी रिकॉर्ड आउटपुट का अनुमान

यूएस डिपार्टमेंट ऑफ एप्रिकलचर ने की थी रिकॉर्ड आउटपुट का अनुमान

यूएस डिपार्टमेंट ऑफ एप्रिकलचर ने की थी रिकॉर्ड आउटपुट का अनुमान

यूएस डिपार्टमेंट ऑफ एप्रिकलचर ने की थी रिकॉर्ड आउटपुट का अनुमान

यूएस डिपार्टमेंट ऑफ एप्रिकलचर ने की थी रिकॉर्ड आउटपुट का अनुमान

यूएस डिपार्टमेंट ऑफ एप्रिकलचर ने की थी रिकॉर्ड आउटपुट का अनुमान

यूएस डिपार्टमेंट ऑफ एप्रिकलचर ने की थी रिकॉर्ड आउटपुट का अनुमान

यूएस डिपार्टमेंट ऑफ एप्रिकलचर ने की थी रिकॉर्ड आउटपुट का अनुमान

यूएस डिपार्टमेंट ऑफ एप्रिकलचर ने की थी रिकॉर्ड आउटपुट का अनुमान

यूएस डिपार्टमेंट ऑफ एप्रिकलचर ने की थी रिकॉर्ड आउटपुट का अनुमान

यूएस डिपार्टमेंट ऑफ एप्रिकलचर ने की थी रिकॉर्ड आउटपुट का अनुमान

यूएस डिपार्टमेंट ऑफ एप्रिकलचर ने की थी रिकॉर्ड आउटपुट का अनुमान

यूएस डिपार्टमेंट ऑफ एप्रिकलचर ने की थी रिकॉर्ड आउटपुट का अनुमान

यूएस डिपार्टमेंट ऑफ एप्र



पार्टी ने मेरे मुद्दों पर कार्रवाई की रूपरेखा बनाई: पायलट

कहा-करप्शन को चुनावी मुद्दा बनाएगी कांग्रेस, पार्टी जो रोल देगी वह काम करूँगा

जयपुर, 6 जुलाई (एजेंसियां)।

एआईसीसीस मुख्यालय में

राजस्थान के मुद्दे पर गुरुवार को

बैठक हुई। गहल गंधी और

मल्लिकानुन खड़ग ने राजस्थान के

नेताओं के साथ चार घंटे बैठक ली।

बैठक में सचिन पायलट भी मौजूद

थे। बैठक के बाद सचिन पायलट

के तेवर बदल गए हैं। पायलट ने

बैठक के बाद मान लिया कि उनके

मुद्दों को पार्टी ने सुलझा दिया है।

दिल्ली में मैदिया से बातचीत में

पायलट ने कहा- मुद्दे खुशी है पार्टी

ने मेरे उठाए गए मुद्दों को गंभीरता

से लिया है और उन पर कार्रवाई

करने लिए आगे की रूपरेखा

बनाई है। भाजा जाके की कार्यालय

में तमाम करप्शन हुए इस पर

सरकार गंभीर है और कार्रवाई

करेगी। मैं ऐसा मानता हूँ कि

करप्शन ऐसा मुद्दा है जो जन जन

को प्राप्तिकरण करता है और इस इश्यू

को कांग्रेस चुनावी मुद्दा बनाएगा

और आगे लेकर जाएगा।

पायलट ने कहा- मैंने मिछले

कुछ दिनों से जनता के बीच जो मुद्दे

उठाए थे। पैपर लीक के मुद्दे उठाए



थे जो बैहद महत्वपूर्ण हैं और सीधे बनाए उस पर संज्ञान लिया है। अरपीएसीमें ऐसे लोगों को बैठाएं हैं जो एक अच्छे बैकारांड से आएं ताकि लोगों के मन में कॉफिंडेंस सुधारें, कैसे हम पुख्ता बनाएं, कैसे पारदर्शी और जबाबदेह बनाएं। जो पिछले सप्तकार के करप्शन के मुद्दे हैं तो उनका विश्वास हो, इन तमाम मुद्दों पर पार्टी ने संज्ञान लिया है।

मुझे खुशी है उन सभी मुद्दों का एआईसीसीमें संज्ञान लिया है, और सचिन पायलट ने संज्ञान लिया है और उन पर कार्रवाई करने के लिए आगे आगे की रूपरेखा बनाई है। भाजा जाके की रूपरेखा बनाएगी। मैं ऐसा मानता हूँ कि करप्शन ऐसा मुद्दा है जो जन जन को प्राप्तिकरण करता है और इस इश्यू को कांग्रेस चुनावी मुद्दा बनाएगा और उस पर सरकार गंभीर है और कार्रवाई करेगी। मैं ऐसा मानता हूँ कि करप्शन ऐसा मुद्दा है जो जन जन को प्राप्तिकरण करता है और इस इश्यू को कांग्रेस चुनावी में लिया है।

पायलट ने कहा- मुझे खुशी इस बात की है कि कांग्रेस पार्टी ने नौजवानों के मुद्दों पर सरकार के करप्शन के मुद्दे और एज्जाम देने जाएं तो उनका विश्वास हो, इन तमाम मुद्दों पर पार्टी ने संज्ञान लिया है।

अनेक लोग समय में भारतीय जनता पार्टी के जबाबदेह देना पड़ता है, जो रोल मुझे अदा करना होगा, जो भी पार्टी निवेदन देना वो काम करेंगे। पायलट ने कहा- और उनका विश्वास हो, इन तमाम मुद्दों पर पार्टी ने संज्ञान लिया है।

अनेक लोग समय में भारतीय जनता पार्टी के जबाबदेह देना पड़ता है, जो रोल मुझे अदा करना होगा, जो भी पार्टी निवेदन देना वो काम करेंगे। पायलट ने कहा- मुझे अदा करना होगा, जो भी पार्टी निवेदन देना वो काम करेंगे। पायलट ने कहा- और एज्जाम देने जाएं तो उनका विश्वास हो, इन तमाम मुद्दों पर पार्टी ने संज्ञान लिया है।

पायलट ने कहा- मैंने मिछले

कुछ दिनों से जनता के बीच जो मुद्दे

उठाए थे। पैपर लीक के मुद्दे उठाए

थे।

पायलट ने कहा- मैंने एसीसीसे के

ज्यादा का काम

में एसीसीसे के बीच जो मुद्दे

उठाए थे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अमृतसर

एक्सप्रेस हाईवे भी शामिल है।

बीकानेर के अनुराग फतेहपुर-

बीकानेर हाईवे पर हरसारा गाव में

स्थित बैंक में सुबह करीब 11.30

बजे नकाबपोश एक बदमाश

पिस्टल लेकर घुसा। इस दौरान

रुपये के कार्यों का लोकार्पण करेंगे।

जिसमें जानकारी और एमृतसर

एक्सप्रेस हाईवे भी शामिल है।

बीकानेर रेलवे स्टेशन पर भी 571

करोड़ रुपये से जीरोंडार होगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 8 जुलाई

को शाम 4 बजे नाल एयरफोर्स

स्टेशन पहुँचेंगे। इसके बाद विशेष

घोषणा होगी। इसके बाद गंभीर

रुपये में ले गया। जहां 24 लाख

रुपये में ले गया। जहां 24 लाख

रुपये से जीरोंडार होगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 8 जुलाई

को जयपुर आगे आया। एयरफोर्स

होमेरोप्टर ने जीरोंडार होगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 8 जुलाई

को जयपुर आगे आया। एयरफोर्स

होमेरोप्टर ने जीरोंडार होगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 8 जुलाई

को जयपुर आगे आया। एयरफोर्स

होमेरोप्टर ने जीरोंडार होगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 8 जुलाई

को जयपुर आगे आया। एयरफोर्स

होमेरोप्टर ने जीरोंडार होगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 8 जुलाई

को जयपुर आगे आया। एयरफोर्स

होमेरोप्टर ने जीरोंडार होगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 8 जुलाई

को जयपुर आगे आया। एयरफोर्स

होमेरोप्टर ने जीरोंडार होगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 8 जुलाई

को जयपुर आगे आया। एयरफोर्स

होमेरोप्टर ने जीरोंडार होगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 8 जुलाई

को जयपुर आगे आया। एयरफोर्स

होमेरोप्टर ने जीरोंडार होगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 8 जुलाई

को जयपुर आगे आया। एयरफोर्स

होमेरोप्टर ने जीरोंडार होगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 8 जुलाई

को जयपुर आगे आया। एयरफोर्स

होमेरोप्टर ने जीरोंडार होगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 8 जुलाई

को जयपुर आगे आया। एयरफोर्स

होमेरोप्टर ने जीरोंडार होगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 8 जुलाई

को जयपुर आगे आया। एयरफोर्स

होमेरोप्टर ने जीरोंडार होगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 8 जुलाई

को जयपुर आगे आया। एयरफोर्स

होमेरोप्टर ने जीरोंडार होगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 8 जुलाई

को जयपुर आगे आया। एयरफोर्स

होमेरोप्टर ने जीरोंडार होगा।

